R-1132

B.A. Third Year Private Examination, 2019-2020

HINDI LITERATURE

Paper - Second

हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएँ एवं बुन्देली भाषा साहित्य

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 50*

Minimum Marks : 17

नोट : *सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी के अंक उनके समक्ष अंकित किए गए हैं।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **[3×6=18]**

(i) गुरुजी ऐसा तो संसार में कोई देस ही नहीं है। दो पैसा रहने ही से मजे में पेट भरता है। मैं तो इस नगर को छोड़कर नहीं जाऊँगा और जगह दिन भर मांगो तो भी पेट नहीं भरता।

(ii) कितना अनुभूतिपूर्ण था वह एक क्षण का आलिंगन! कितने संतोष से भरा था। नियति ने अज्ञात भाव से मानो लू से तपी हुई वसुधा को क्षितिज के निर्जन में सायंकालीन शीतल आकाश से मिला दिया हो।

(iii) ओह पन्ना! तूने अपने भोले बच्चे के साथ कपट किया है। तूने अंगारों की सेज पर अपने फूल से लाल को सुला दिया है। तू सर्पिणी है। सर्पिणी जो अपने ही बच्चे को खा डालती है। जान बूझकर अपने पुत्र की हत्या करने जा रही है। हाय! अभागिन माँ।

(iv) लेकिन मुझे नाखून के बढ़ने पर आश्चर्य हुआ था। अज्ञान सर्वत्र आदमी को पछाड़ता है और आदमी है कि सदा उससे लोहा लेने को कमर कसे है।

(v) जौ जुग सूदेपन कौ नैयां।
जबन्हौं कान्हाँ सूदे बरते,
फिरत फिरे फिर कैयाँ।
टेढ़े होतन सूदी हो गई,
बेई गोपी बेई गैयां।
जो जुग सूदेपन को नैयां।

2. प्रहसन की दृष्टि से अंधेरनगरी नाटक की समीक्षा कीजिए। **[8]**

अथवा

ध्रुवस्वामिनी नाटक की नाटकीय तत्त्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

3. नाटक के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। **[8]**

अथवा

'करूणा' निबन्ध का सार अपने शब्दों में लिखिए।

4. माधव शुक्ल 'मनोज' के काव्य का काव्य सौन्दर्य उद्‌घाटित कीजिए। **[8]**

अथवा

बुन्देली काव्य परम्परा में ईसुरी के योगदान को रेखांकित कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए: **[2×4=8]**

(i) आधुनिक युग की मीरा महादेवी वर्मा

(ii) मदनमोहन व्यास का कृतित्त्व

(iii) मोहन राकेश की नाट्यकला

(iv) भारतेन्दु युग का वैशिष्ट्य

◆◆◆